<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 5619

02 अप्रैल, 2018 को उत्तर के लिए

सरकारी इस्पात उपक्रमों में वेतन संशोधन

5619. श्री बलभद्र माझीः

श्री फग्गन सिंह कुलस्तेः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने वर्ष 2015-16 के दौरान सरकारी इस्पात उपक्रमों (पी॰एस॰यू॰) के वित्तीय कार्य निष्पादन की विशिष्ट स्थिति को ध्यान में रखते हुए उनमें दूसरे और तीसरे वेतन संशोधनों को लागू करने के लिए कोई पहल की है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और एस॰ए॰आई॰एल॰ और आर॰आई॰एन॰एल॰ के मामले में दिनांक 3.8.2017 के डी॰पी॰ई॰ कार्यालय ज्ञापन के वहनीयता खण्ड के प्रावधानों से छूट देने के लिए सरकार द्वारा सरकारी उपक्रम-वार क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) क्या अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर कोयले के मूल्यों में अप्रत्याशित वृद्धि के कारण भारतीय इस्पात कंपनियों का वित्तीय कार्यनिष्पादन बुरी तरह प्रभावित हुआ है; और

(ङ) यदि हां, तो विगत तीन वर्षों के दौरान तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इस संबंध में क्या सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं?

<u>उत्तर</u>

इस्पात राज्य मंत्री (श्री विष्णु देव साय)

(क): देश में इस्पात निर्माण के दो केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (सीपीएसई) नामशः स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल) हैं। दूसरे वेतन संशोधन समिति की रिपोर्ट पर आधारित दिनांक 01.01.2007 से प्रभावी वेतन संशोधन को सेल और आरआईएनएल में लागू कर दिया गया है। तथापि, दिनांक 03.08.2017 के डीपीई दिशा-निर्देशों में वहनीयता शर्त के प्रावधानों के

मद्देनजर सेल और आरआईएनएल में तीसरे वेतन संशोधन समिति की रिपोर्ट पर आधारित दिनांक 01.01.2017 से प्रभावी वेतन संशोधन को लागू नहीं किया गया है।

(ख) और (ग): सरकार ने इस्पात क्षेत्र के सीपीएसई के लिए वहनीयता की शर्त के प्रावधानों में छूट प्रदान करने के लिए कोई दिशा-निर्देश जारी नहीं किए हैं। डीपीई दिशा-निर्देशों में बताई गई वहनीयता शर्त सभी सीपीएसई पर लागू होती है।

(घ) और (ङ): इस्पात की उत्पादन लागत और फलतः स्टील सीपीएसई का वित्तीय निष्पादन विभिन्न घटकों यथा- विद्युत, श्रम, संयंत्र की दक्षता, लौह अयस्क एवं कोकिंग कोल के अतिरिक्त लॉजिस्टिक इत्यादि की कीमतों पर निर्भर करता है। कोकिंग कोल का औसतन प्राप्ति मूल्य वर्ष 2015-16 में 85 अमेरिकी डॉलर प्रति टन (लगभग) से बढ़कर वर्ष 2017-18 में 188 अमेरिकी डॉलर प्रति टन (लगभग) हो गया है। चूंकि, कोकिंग कोल और लौह अयस्क की लागत कुल लागत के 50% से अधिक होती है, इसलिए इस वृद्धि से स्टील सीपीएसई के वित्तीय निष्पादन पर गंभीर प्रभाव पड़ा था। प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ाने और कीमत लाभ प्राप्त करने के लिए विद्यमान दीर्घकालीन आपूर्तिकर्ताओं के साथ नए आपूर्तिकर्ता बढ़ाए गए हैं। स्टील सीपीएसई ब्लेंड में स्वदेशी कोकिंग कोल के उपयोग को भी बढ़ा रहे हैं।

*****